वैश्विक व्यापार में संतुलन की दरकार

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने रखा विकास-केंद्रित एजेंडा

एमसी14 में भारत ने उठाई बराबरी की आवाज

याउंडे (कैमरून), 27 मार्च. वैश्विक व्यापार व्यवस्था में संतुलन और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए भारत ने एक बार फिर अपनी मजबूत आवाज उठाई है. पीयूष गोयल ने कैमरून की राजधानी याउंडे में आयोजित डब्लूटीओ 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान स्पष्ट किया कि विश्व व्यापार संगठन में सुधार पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-आधारित प्रक्रिया से ही होने चाहिए.

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक व्यापार नियमों का मूल उद्देश्य विकास होना चाहिए, खासकर विकासशील और अल्पविकसित देशों के हितों को ध्यान में रखते हुए. भारत ने बिना भेदभाव, समानता और सर्वसम्मति जैसे सिद्धांतों को बनाए रखने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया. इस सम्मेलन के दौरान भारत ने न केवल बहुपक्षीय मुद्दों पर अपनी स्थिति स्पष्ट की, बल्कि कई देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने के अवसरों पर भी चर्चा की. यह पहल भारत की बढ़ती वैश्विक आर्थिक भूमिका को दर्शाती है. कैमरून की राजधानी याउंडे में आयोजित डब्लूटीओ 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान भारत ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था में संतुलन, पारदर्शिता और समावेशिता की जोरदार वकालत की.

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्पष्ट किया कि विश्व व्यापार संगठन में सुधार की प्रक्रिया सदस्य-चालित होनी चाहिए और इसमें विकास को केंद्र में रखा जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार प्रणाली में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए बिना भेदभाव और सर्वसम्मति आधारित निर्णय जैसे सिद्धांत बेहद

> भारत ने सम्मेलन में विकास-केंद्रित एजेंडा पर विशेष जोर दिया. इसमें खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग पर स्थायी समाधान, विकासशील और अल्पविकसित देशों के लिए विशेष एवं विभेदक व्यवहार प्रावधानों को प्रभावी बनाना और डब्लूटीओ के विवाद निपटान तंत्र को पूरी तरह बहाल करना शामिल है. सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में विभिन्न देशों के व्यापार मंत्रियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया. इस दौरान मत्स्य पालन सब्सिडी समझौते के लागू होने पर भी संतोष व्यक्त किया गया.

रुपया 34 पैसे टूटकर 94 .30 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर

मुंबई, 27 मार्च. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 34 पैसे टूटकर 94.30 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया. बीच कारोबार में पहली बार भारतीय मुद्रा इस स्तर तक कमजोर हुई है. पिछले कारोबारी दिवस पर 25 मार्च को यह 20 पैसे की गिरावट में 93.96 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी जो इसका अब तक का सबसे कमजोर बंद भाव है. रुपया आज 22.75 पैसे की गिरावट में 94.1875 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 94.30 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में वृद्धि और विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय पूंजी बाजार में इस महीने लगातार बिकवाली रहने से भारतीय मुद्रा दबाव में है.

देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं : सरकार

रोज 50 लाख सिलेंडर डिलीवरी

देश में स्थिति सामान्य

घरेलू उत्पादन और आयात से गैस आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित

नई दिल्ली, 27 मार्च. देश में एलपीजी की कमी को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच सरकार ने स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा है कि देश में एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रण में है तथा कहीं भी किसी प्रकार की कमी नहीं है.

मंत्रालय के अनुसार, हाल ही में लागू किए गए नियंत्रण उपायों के बाद घरेलू रिफाइनरी उत्पादन में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. इससे दैनिक उत्पादन बढ़कर 50 टीएमटी तक पहुंच गया है, जो देश की कुल आवश्यकता का 60 प्रतिशत से अधिक है. वही 100 प्रतिशत रिफायनरी का काम हो रहा है. शेष जरूरत आयात के माध्यम से पूरी की जा रही है, जिससे आपूर्ति संतुलित बनी हुई है. सरकार ने यह भी बताया कि पर्याप्त मात्रा में एलपीजी कार्गो पहले से ही सुरक्षित कर लिए गए हैं और देश के विभिन्न आयात टर्मिनलों पर पहुंच रहे हैं. ऐसे में आम लोगों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है और अफवाहों से बचने की अपील की गई है. देश में एलपीजी की उपलब्धता को लेकर चल रही चिंताओं के बीच पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया है आपूर्ति पूरी तरह सामान्य और नियंत्रण में है. मंत्रालय के अनुसार, घरेलू रिफाइनरी उत्पादन में 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे दैनिक उत्पादन बढ़कर लगभग 50 टीएमटी तक पहुंच गया है.

> हाल के दिनों में घबराहट के कारण मांग बढ़कर 89 लाख सिलेंडर तक पहुंच गई थी, लेकिन अब स्थिति सामान्य हो गई है और मांग फिर से संतुलित स्तर पर आ गई है. जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए सरकार ने वाणिज्यिक सिलेंडरों का आवंटन बढ़ाने जैसे कदम भी उठाए हैं. इसके साथ ही, पाइपलाइन द्वारा प्राकृतिक गैस को बढ़ावा देने की नीति भी जारी है, जिसे सस्ता, स्वच्छ और सुरक्षित ईंधन माना जाता है.

आयात निर्भरता घटाने को तेज होगी खनिज खोज

महत्वपूर्ण खनिज खोज पर सरकार का बड़ा फोकस

लिथियम सहित खनिज खोज में तेजी लाएगी सरकार

नई दिल्ली 27 मार्च. केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने कहा है कि दुर्लभ और महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर निर्भरता कम करने के लिए भारत महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को बढ़ावा देगा और एक मजबूत घरेलू मूल्य श्रृंखला निर्मित करने की दिशा में आगे बढ़ेगा.

डॉ. सिंह ने राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण एवं विकास न्यास (एनएमईटी) की शासी निकाय की बैठक में महत्वपूर्ण खनिजों की खोज की प्रगति की समीक्षा की तथा इस काम में स्टार्टअप्स की भागीदारी तथा मजबूत घरेलू आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण पर बल दिया. बैठक की सह-अध्यक्षता कोयला एवं खान मंत्री तथा एनएमईटी की शासी निकाय के अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने की. इसमें खान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, सीएसआईआर-खनिज एवं पदार्थ प्रौद्योगिकी संस्थान (सी एस आई आर ङ्कआई एम एम टी) के निदेशक, परमाणु खनिज महानिदेशालय के निदेशक, परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रतिनिधियों, अन्वेषण एजेंसियों के अधिकारियों तथा राजस्थान, तेलंगाना और महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. डॉ सिंह ने कहा कि खनिज क्षेत्र की उन्नति में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-आईएमएमटी तथा परमाणु ऊर्जा विभाग जैसे वैज्ञानिक संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है. मंत्री ने कहा कि भारत महत्वपूर्ण खनिजों का पता लगाने की गति बढ़ाने, स्टार्टअप-आधारित खनन पारिस्थितिकी विकसित करने तथा आयात निर्भरता को कम करने के लिए मजबूत घरेलू मूल्य श्रृंखलाओं के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर चुका है.

> उन्होंने कहा कि भारत को खनन एवं महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में भारतीय कंपनियों और स्टार्टअप्स के प्रवेश हेतु अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा. स्टार्टअप को संस्थागत समर्थन, निर्धारित प्रोत्साहन तथा हैंडहोल्डिंग तंत्र उपलब्ध कराकर खनन प्रौद्योगिकियों और अन्वेषण विधियों में नवाचार को बढ़ावा दिया जा सकता है. मंत्री ने कहा कि खनिजों के अन्वेषण और दोहन क्षेत्र के दीर्घकालिक विकास के लिए निजी अन्वेषण एजेंसियों की क्षमता निर्माण अत्यंत आवश्यक है.

शेयर बाजारों में फिर गिरावट सेंसेक्स 1,690 अंक लुढ़का

मुंबई, 27 मार्च .घरेलू शेयर बाजारों में दो दिन की तेजी के बाद शुक्रवार को फिर गिरावट देखी गयी और बीएसई का सेंसेक्स 1,690.23 अंक (2.25 प्रतिशत) टूटकर 73,583.22 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 486.85 अंक यानी 2.09 प्रतिशत नीचे 22,819.60 अंक पर बंद हुआ.

विदेशों से मिले नकारात्म संकेतों के कारण आज शुरू से ही बाजार पर दबाव रहा. डॉलर की तुलना में रुपये के कमजोर पड़ने से निवेश धारणा और प्रभावित हुई. फिलहाल रुपया 94.70 रुपये प्रति डॉलर पर है. पिछले कारोबारी दिवस पर 93.96 रुपये प्रति डॉलर पर बंद होने वाली भारतीय मुद्रा बीच कारोबार में 94.85 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गयी थी.

चौतरफा बिकवाली के बीच मझौली और छोटी कंपनियों पर भी दबाव रहा. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.13 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.74 प्रतिशत उतर गया. सभी सेक्टर लाल निशान में बंद हुए. सुबह बढ़त में रहने वाला आईटी सूचकांक भी अंत में गिर गया.

उत्तर गुजरात के विकास को मिलेगी नई गति

अहमाबाद, 27 मार्च. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 अगस्त, 2025 को गुजरात दौरे के दौरान 1,400 करोड़ से अधिक लागत की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया था, जिसमें बेचराजी-रणुजरे लखंड भी शामिल था, जिस का ब्रॉड गेज में परिवर्तन कार्यपूर्ण हो चुका है. लगभग40 किलो मीटर लंबाई एवं 520 करोड़ की लागत से सम्पन्न इस परियोजना के माध्यम से उत्तर गुजरात को सुदृढ़ रेल संपर्क प्रदान किया गया है.

यह परियोजना राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति तथा पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप विकसित की गई है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षित, तेज एवं निर्बाध आवागमन सुनिश्चित होगा.

> इस संबंध में मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद श्री वेद प्रकाश की अध्यक्षता में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में डॉयरक्टर जी-राइड श्री राजकुमार, जीएम (सिविल) श्री शिवेन्द्र कुमार, अपर मण्डल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) श्रीमती मंजू मीणा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अन्नू त्यागी, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधकडॉ. जेनिया गुप्ता तथा वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय)श्री वैभव सकलेचा उपस्थित रहे. बैठक के दौरान महेसाणा लोकसभा क्षेत्र के माननीय सांसद श्री हरिभाई पटेल के साथ दूरभाष पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें उन्हें बेचराजी-रणुज रेल खंड के सीआरएस निरीक्षण हेतु प्रेषित प्रस्ताव, वर्तमान प्रगति एवं आगामी यात्री सेवाओं के संचालन से संबंधित जानकारी से अवगत कराया गया.

बेचराजी-रणुज रेल खंड के अंतर्गत मध्यवर्ती प्रमुख स्टेशनों में खांभेल एवं चाणसमा शामिल हैं, जो महेसाणा एवं पाटण जिलों के महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं. इस रेल लाइन का ब्रॉडगेज में परिवर्तन पूर्ण हो चुका है तथा यात्री रेल सेवाएं प्रारंभ होने पर इन क्षेत्रों के ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी इलाकों को सीधा लाभ प्राप्त होगा. विशेष रूप से स्थानीय निवासियों, विद्यार्थियों, नौकरी पेशा लोगों तथा छोटे व्यापारियों के लिए आवागमन अधिक सुगम, तेज एवं किफायती हो जाएगा. देश के विभिन्न क्षेत्रों से बेचराजी मंदिर एवं वहां आयोजित मेला में दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालु इस रेल सुविधा से विशेष रूप से लाभान्वित होंगे. यह परियोजना क्षेत्र के कृषि एवं लघु उद्योगों के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी.

सोना-चांदी की कीमतों में फिर तेजी आई

1500 रुपए उछला सोना

2.71 लाख रुपए पहुंची चांदी

नई दिल्ली 27 मार्च. सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर जोरदार तेजी देखने को मिली है, जिससे निवेशकों और खरीदारों का ध्यान इस ओर खिंच गया है. 24 कैरेट सोना 1,500 रुपये की बढ़त के साथ 10 ग्राम पर 1.60 लाख रुपये तक पहुंच गया है, जबकि चांदी भी 11,000 रुपये उछलकर 2.71 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर पर पहुंच गई है.

यह तेजी ऐसे समय में आई है जब वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता और मिडिल ईस्ट में तनाव बना हुआ है. जानकारों का मानना है कि ऐसी परिस्थितियों में निवेशक सुरक्षित विकल्प के रूप में सोना-चांदी की ओर रुख करते हैं, जिससे इनके दाम बढ़ते हैं. इस साल की शुरुआत से ही कीमती धातुओं में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है. सोना जहां करीब 27 हजार रुपये महंगा हो चुका है, वहीं चांदी में भी लगभग 39 हजार रुपये की बढ़त दर्ज की गई है.

> विशेषज्ञों के मुताबिक, हाल के दिनों में कीमतों में गिरावट के बाद अब बाजार में फिर से खरीदारी बढ़ी है. इससे पहले जनवरी के अंत में सोना और चांदी अपने ऑलटाइम हाई स्तर पर पहुंच गए थे, लेकिन उसके बाद इनमें गिरावट आई थी. अब निवेशकों की वापसी के चलते कीमतों में सुधार देखने को मिल रहा है.

ऑटोटेक एशिया 17 अप्रैल से भारत मंडपम में

नई दिल्ली. ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, बैटरी टेक्नोलॉजी और विनिर्माण प्रणाली पर केंद्रित बिजनेस-टू-बिजनेस प्रदर्शनी ऑटोटेक एशिया 2026 का आयोजन राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में 17-19 अप्रैल को किया जायेगा. ऑटोटेक एशिया की आयोजक ऑटो टेक ग्लोबल मीडिया के संस्थापक एवं निदेशक आशीष जैन ने यहां शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस सम्मेलन में 250 से अधिक प्रदर्शकों और व्यापार जगत के 25 हजार से ज्यादा लोगों के आने की उम्मीद है.

पुराने वाहन स्क्रैप पर ईवी खरीद को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली 27 मार्च. उद्योग जगत का मानना है कि दिल्ली में पुराने वाहनों को स्क्रैप घोषित कर बिजली के वाहन खरीदने पर एक लाख रुपये तक की राशि के दिल्ली सरकार के प्रस्ताव को लागू करने से महानगर में स्वच्छ परिवहन की ओर बदलाव तेज़ हो सकता है.

प्रस्तावित नीति के तहत दिल्ली में रजिस्टर्ड पुराने वाहनों के मालिक अपने वाहनों को अधिकृत केंद्रों पर स्क्रैप करवा कर छह महीने के भीतर एक नया विद्युत वाहन खरीद लें तो वित्तीय प्रोत्साहन के हकदार हो सकते हैं. ये प्रोत्साहन 10,000 रुपये से एक लाख रुपये तक हो सकते हैं.

इसके साथ ही, कुछ श्रेणियों के लिए विद्युत वाहन पर रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में छूट भी दी मिलेगी. योध्दा के मुख्य अधिशासी आयुष लोहिया ने कहा कि स्क्रैपेज से जुड़ी प्रोत्साहन राशि पुराने, ज़्यादा प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक विकल्पों को अपनाने की प्रक्रिया को तेज कर सकती है - खासकर कमर्शियल मोबिलिटी सेगमेंट में.

समाचार विशेष

झारखंड में गठबंधन का क्या होगा?

झामुमो को राजद ने बिहार में ठुकराया, कांग्रेस ने असम में बनाई दूरी

रांची. झारखंड की सत्ताधारी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की राजनीति इन दिनों बहुस्तरीय दबाव और रणनीतिक पुनर्संरचना के दौर से गुजर रही है. पहले बिहार और अब असम में सहयोगी दलों के साथ तालमेल नहीं बनने से पार्टी ने अलग राह चुनने का संकेत दिया है.

इसका असर भविष्य में झारखंड के सत्ता समीकरण पर भी पड़ सकता है. असम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बनने के बाद झामुमो ने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है. एकला चलो का यह फैसला सिर्फ चुनावी रणनीति नहीं, बल्कि झामुमो की स्वतंत्र पहचान की राजनीति को भी दर्शाता है. हालांकि असम में यह प्रयोग झामुमो के लिए शुरूआत जरूर है, लेकिन इससे पार्टी अपनी संगठनात्मक ताकत और आदिवासी वोट बैंक पर असर को नए तरीके से परखना चाहती है.

हाल ही में संपन्न बिहार बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ तालमेल को लेकर भी झामुमो को अपेक्षित सम्मान नहीं मिला. सीटों के बंटवारे और राजनीतिक प्राथमिकता को लेकर मतभेद उभरकर सामने आए, जिससे यह संदेश गया कि महागठबंधन के भीतर झामुमो की भूमिका सीमित कर दी गई है. झामुमो बिहार में प्रत्याशी उतारने को इच्छुक था, लेकिन उसे तालमेल के तहत सीटें नहीं दी गई. इस घटनाक्रम को राजनीतिक हलकों में गठबंधन धर्म के विपरीत व्यवहार के तौर पर देखा जा रहा है.

राज्यसभा चुनाव बनेगा अगला टेस्ट

अब इन दोनों घटनाओं का सीधा असर झारखंड की राजनीति पर पड़ सकता है. राज्य में जल्द ही राज्यसभा की दो सीटों के लिए चुनाव होना है, जिसमें कांग्रेस एक सीट पर अपना दावा ठोक रही है. सवाल यह है कि क्या झामुमो, जो असम में कांग्रेस के रुख से असंतुष्ट है, झारखंड में उसका यह दावा स्वीकार करेगा? यदि झामुमो कांग्रेस के दावे को नजरअंदाज करता है तो यह गठबंधन के भीतर दरार को और गहरा कर सकता है.

दीदी के खिलाफ बीजेपी का भावुक दांव

आरजी कर कांड पीड़िता के माता-पिता की राजनीति में एंट्री

कोलकाता. पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) सुवेंदु अधिकारी ने पुष्टि की कि आरजी कर कांड पीड़िता के माता-पिता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बुनियादी सदस्यता ले ली है.

हालांकि, उन्होंने आगे कहा कि पार्टी नेतृत्व ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि उत्तर 24 परगना जिले के पानीहाटी विधानसभा क्षेत्र से उनमें से किसी को पार्टी का उम्मीदवार बनाया जाएगा या नहीं. भाजपा ने अगले महीने होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की दो सूचियां प्रकाशित की हैं, लेकिन उसने अभी

तक पानीहाटी से अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है.

विपक्ष के नेता ने कहा कि पीड़ित परिवार के किसी सदस्य को पानीहाटी से उम्मीदवार बनाया जाएगा या नहीं, इसका निर्णय हमारी पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा. राज्य समिति ने इस मामले में अपनी राय केंद्रीय नेतृत्व को भेज दी है, जिसका खुलासा मैं अभी नहीं कर सकता. अब इस मामले में अंतिम निर्णय हमारी पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के हाथ में है. गौरतलब है कि पीड़िता (महिला डॉक्टर) का शव 9 अगस्त, 2024 की सुबह आरजी कर परिसर से बरामद किया गया था. कोलकाता पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और इस मामले में एकमात्र दोषी संजय रॉय को गिरफ्तार किया, जो शहर पुलिस के पूर्व नागरिक स्वयंसेवक थे. बाद में, कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो ने मामले की जांच का जिम्मा संभाला और केंद्रीय एजेंसी ने भी संजय रॉय को दुष्कर्म और हत्या के अपराध में एकमात्र आरोपी के रूप में पहचाना.

भाजपा के प्रचार से दूर मुस्लिम नेता

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी ने मुस्लिम नेताओं को प्रचार से दूर रखा है. वैसे बंगाल में भाजपा के पास ज्यादा मुस्लिम नेता नहीं हैं और जो हैं उनका भी कद बड़ा नहीं है. फिर भी मुस्लिम बहुल इलाकों में भाजपा ने मुस्लिम नेता खड़े किए हैं. इस बार उन सबको प्रचार से दूर रखा जा रहा है.

भाजपा के जानकार नेताओं का कहना है कि पार्टी इस बार पूरी तरह से ध्रुवीकरण के एजेंडे पर चुनाव लड़ रही है. तभी ईद के दिन जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी के साथ ईद की नमाज में हिस्सा लिया तो शुभेंदु अधिकारी कालीघाट मंदिर गए और मंदिर से निकल कर बयान दिया कि माता ने उनको आशीर्वाद दिया है.

भाजपा के जानकार नेताओं का कहना है कि पार्टी 294 में से एक भी सीट अपवाद के तौर पर भी किसी मुस्लिम को टिकट नहीं देगी. उसे राज्य के 70 फीसदी हिंदुओं को मैसेज देना है. भाजपा दो लोकसभा और दो विधानसभा चुनावों से देख रही है कि जितना हिंदू ध्रुवीकरण हो रहा है उससे वह चुनाव नहीं जीत सकती है. अभी सौ में से 60 हिंदू भाजपा को वोट दे रहा है. उसे कम से कम सौ में से 70 हिंदू वोट की जरुरत है. इतने बड़े ध्रुवीकरण के लिए भाजपा को जो कुछ भी करना होगा वह करेगी. ध्यान रहे चुनाव की घोषणा से ठीक पहले वाली रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद एजेंडा सेट कर दिया. उन्होंने कहा कि बंगाल में हालात ऐसे ही रहे तो हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएंगे. आगे भाजपा के प्रचार की लाइन यही रहने वाली है. उसे बांग्लाभाषी हिंदुओं के मन में यह भाव पैदा करना है कि मुस्लिम आबादी और घुसपैठ बढ़ने से उसके

विशेष | **पशुपति पारस और साधु पासवान से मिले चिराग, पैर छूकर लिया आशीर्वाद**

क्या खत्म होगी चाचा-भतीजे की दूरी?

पटना. बिहार की राजनीति में लंबे समय से चली आ रही तल्खी के बीच एक भावनात्मक तस्वीर सामने आई, जब चिराग पासवान एक पारिवारिक कार्यक्रम में अपने चाचा पशुपति कुमार पारस और जीजा साधु पासवान से मिले.

इस मुलाकात ने सियासी गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है. कार्यक्रम के दौरान चिराग पासवान ने अपने चाचा और जीजा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया. यह दृश्य काफी भावुक रहा और वहां

मौजूद लोगों ने इसे परिवारिक रिश्तों की मजबूती के रूप में देखा. लंबे समय बाद इस तरह की मुलाकात ने सभी का ध्यान खींचा.

राजनीतिक मतभेदों के चलते परिवार में दूरी बनी हुई थी, लेकिन इस मुलाकात ने रिश्तों में नरमी के संकेत दिए हैं. हालांकि, यह पूरी तरह से राजनीतिक मेल-मिलाप है या सिर्फ पारिवारिक अवसर, इस पर अभी कुछ स्पष्ट नहीं कहा जा सकता. इस मुलाकात के बाद समर्थकों और राजनीतिक विश्लेषकों के बीच चर्चाएं तेज हो गई हैं. लोग इसे आने वाले समय में किसी बड़े राजनीतिक बदलाव या समीकरण के संकेत के रूप में भी देख रहे हैं.

कार्यक्रम में दिखी एकजुटता

पारिवारिक कार्यक्रम में सभी सदस्य एक साथ नजर आए, जिससे एकजुटता की तस्वीर सामने आई. इस दौरान माहौल पूरी तरह पारिवारिक और सौहार्दपूर्ण रहा, जिसने सियासी कड़वाहट को पीछे छोड़ने का संदेश दिया. ज्ञात हो कि पिछले कुछ वर्षों में चिराग पासवान और पशुपति पारस के बीच राजनीतिक मतभेद खुलकर सामने आए थे. इसी कारण परिवार और पार्टी दोनों में खींचतान की स्थिति बनी रही. इस मुलाकात के राजनीतिक मायने क्या होंगे, यह आने वाला समय ही बताएगा. फिलहाल, इस घटना ने यह जरूर दिखा दिया है कि राजनीति से इतर परिवारिक रिश्ते अब भी मजबूत हैं और संवाद की गुंजाइश बनी हुई है.